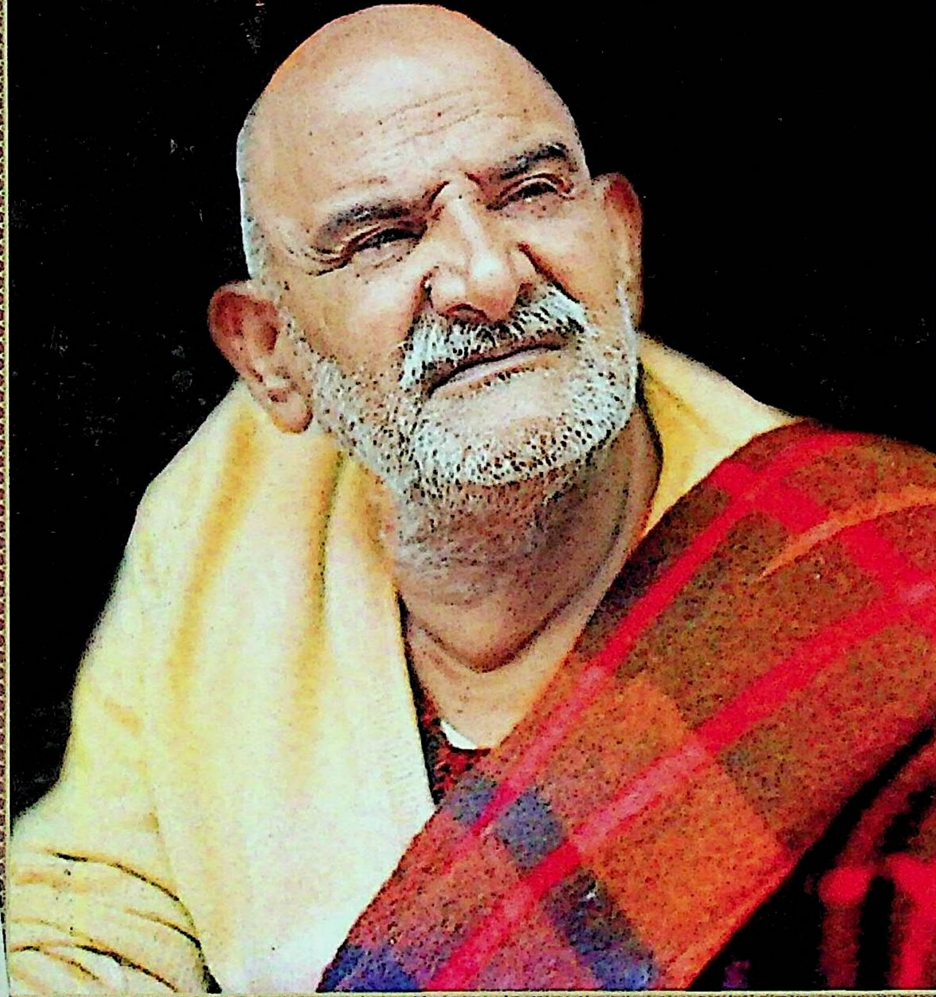
ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

अमृत कलश



Anant koti vibhoshit Baba Neem Karoli ji Maharaj

amrit kalash

A picture Album about Shri Maharajji with his Great thoughts.



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

"I am everybody's guru."

LOVE ALL, FEED ALL, SERVE ALL

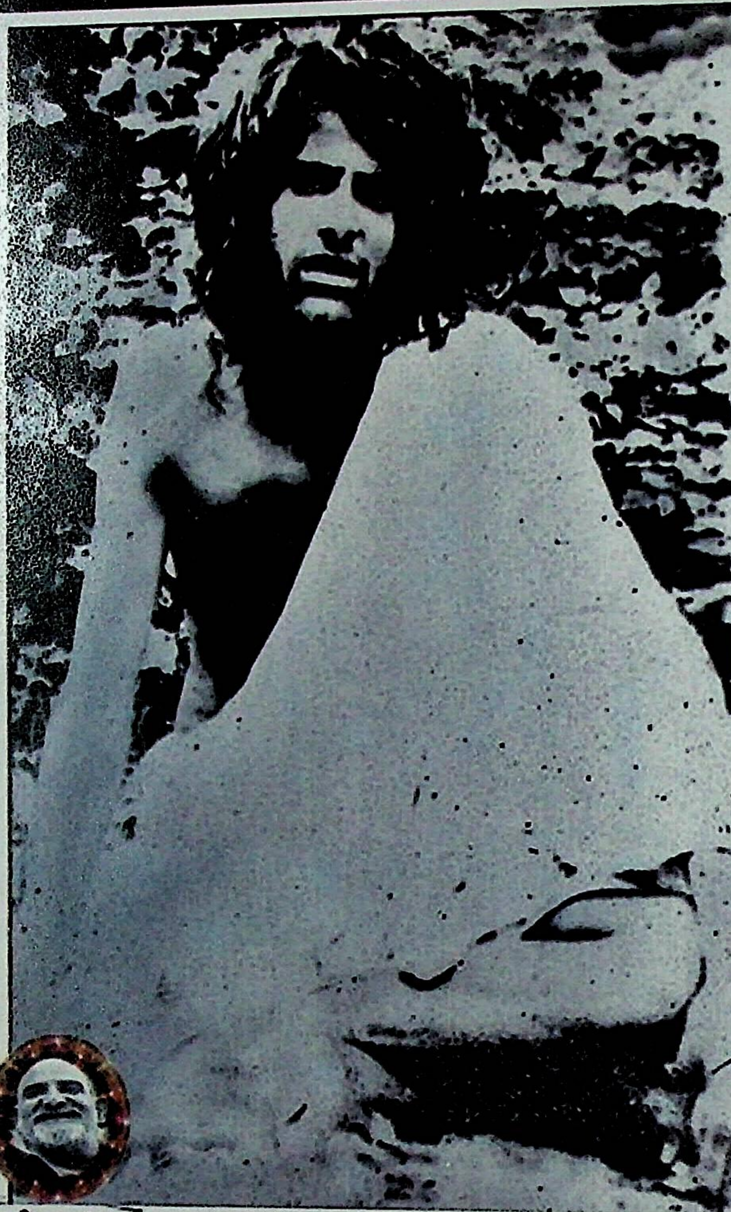
This photo is used in the B&W photo book published in 1980 in the US. Photo by Roy Bonney - Krishna das. Vrindavan Ashram.

मैं सभी का गुरु हूँ।



सम्पूर्ण संसार मेरा पुत्र है हम संसार के पिता हैं ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram





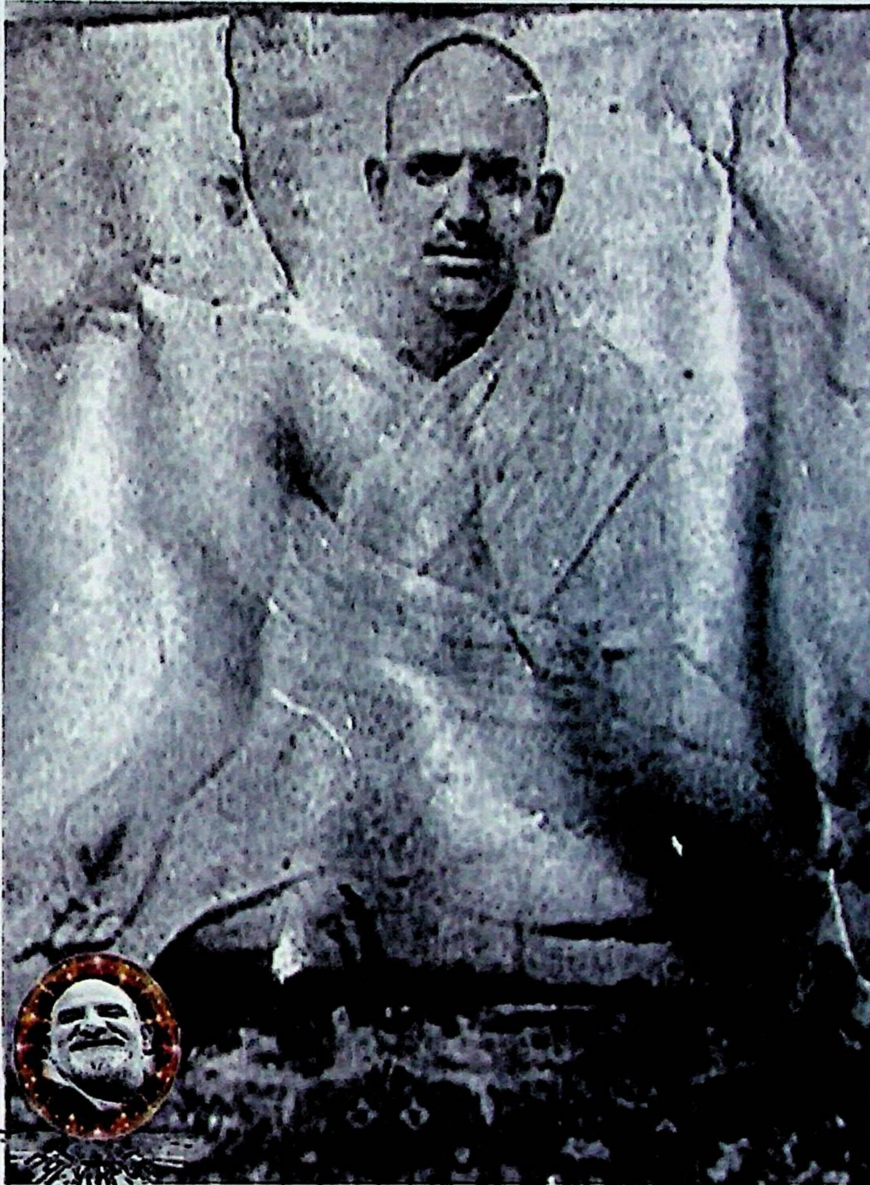
Baba Neem karoli

"It is not necessary to meet your guru on the physical plane. The guru is not external."

This photo is the earlist known photo (at the present time) of Maharajji. He is most likley around 20 years old and in His Sadhu / tapasiya period.

|| हमें कुछ नहीं चाहिए,
हमारा अस्तित्व सिर्फ दूसरों की सेवा करने के लिए है||





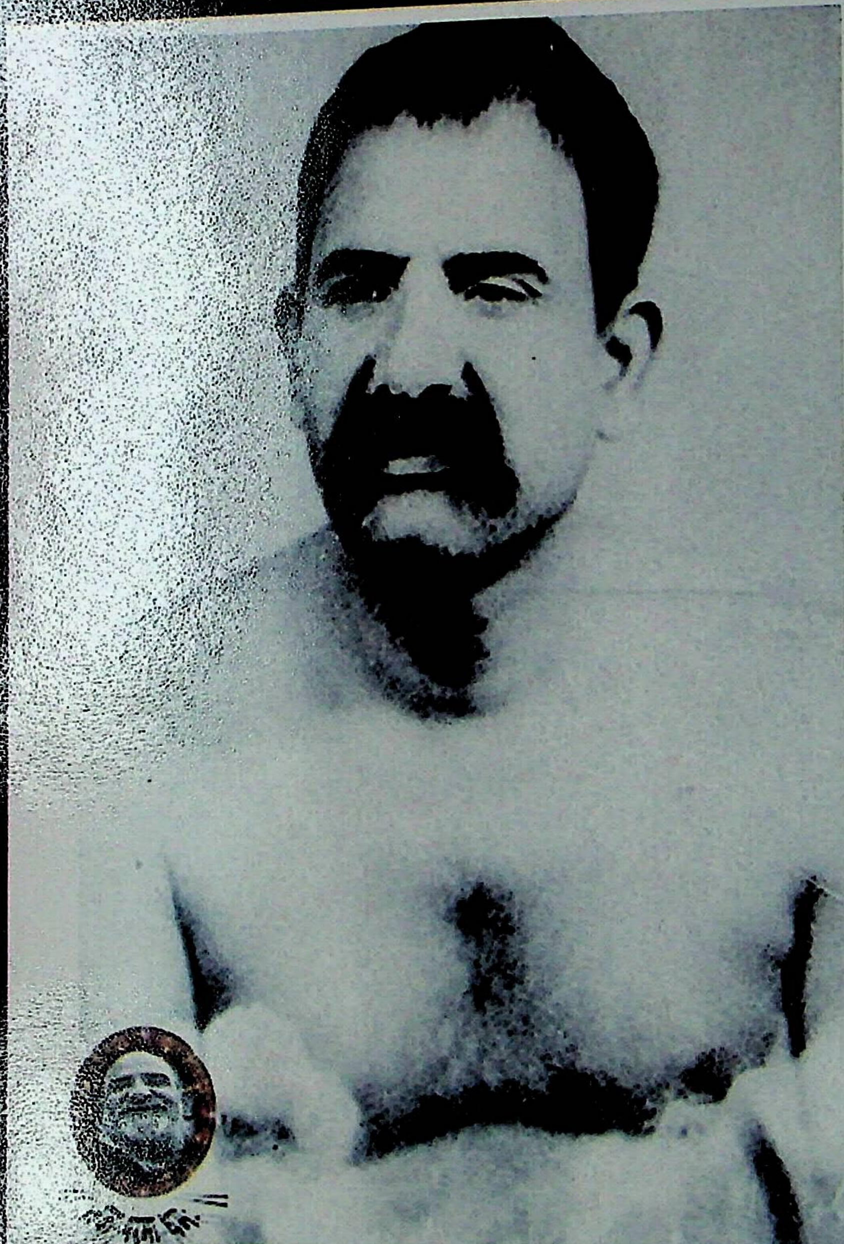
Baba Neem karoli

"Lust, Greed, Anger, Attachment - These are all paths to hell."

Maharaji young shaved head in white

This early photo was most likely taken after a ritual initiation of some type.

हमारे पास कोई शक्ति नहीं है, हम कुछ नहीं जानते,
जो भी कहना है हनुमान जी से और राम जी से कहो ॥

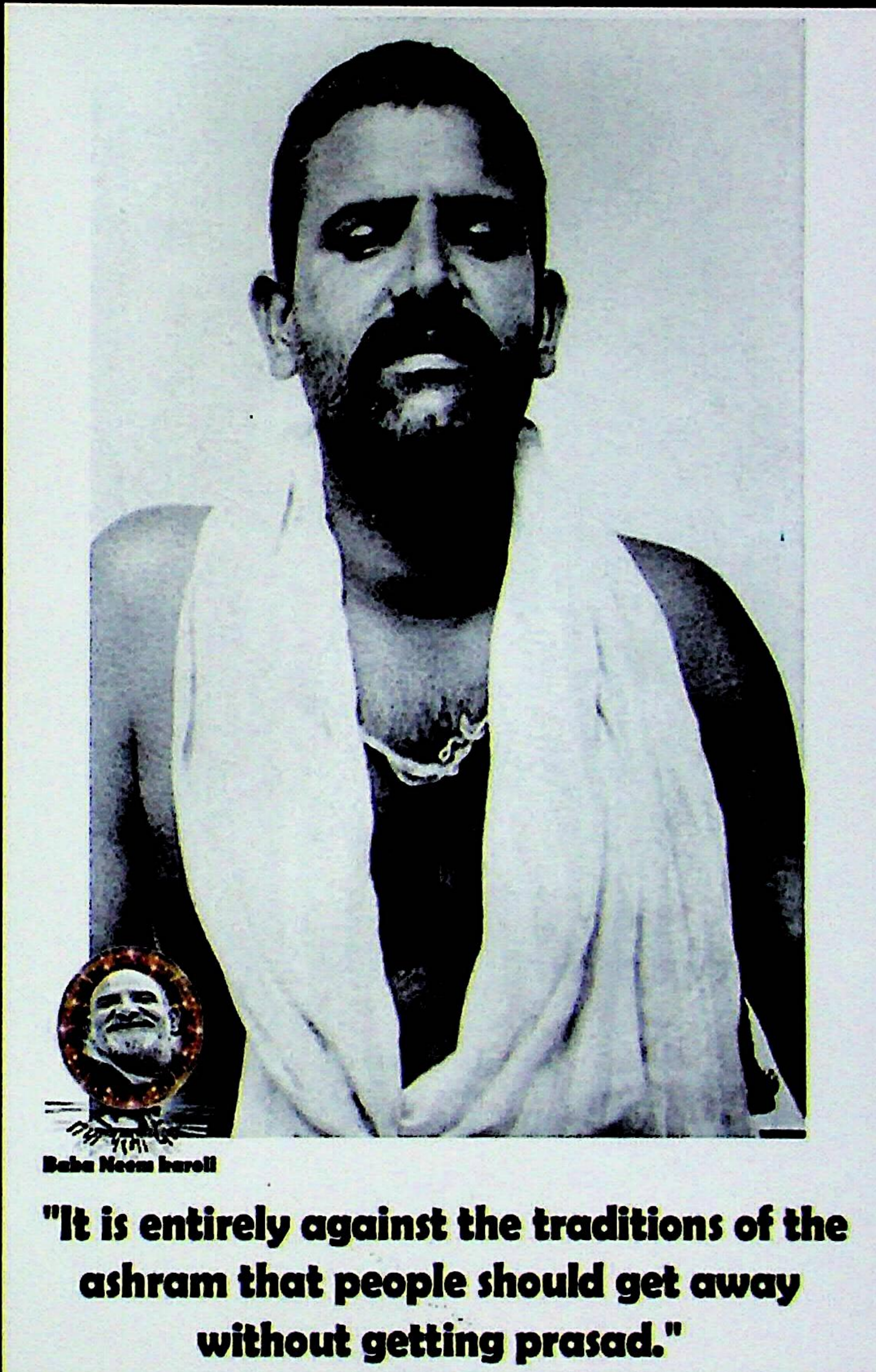


"I am the father of the world. The whole world is my child."



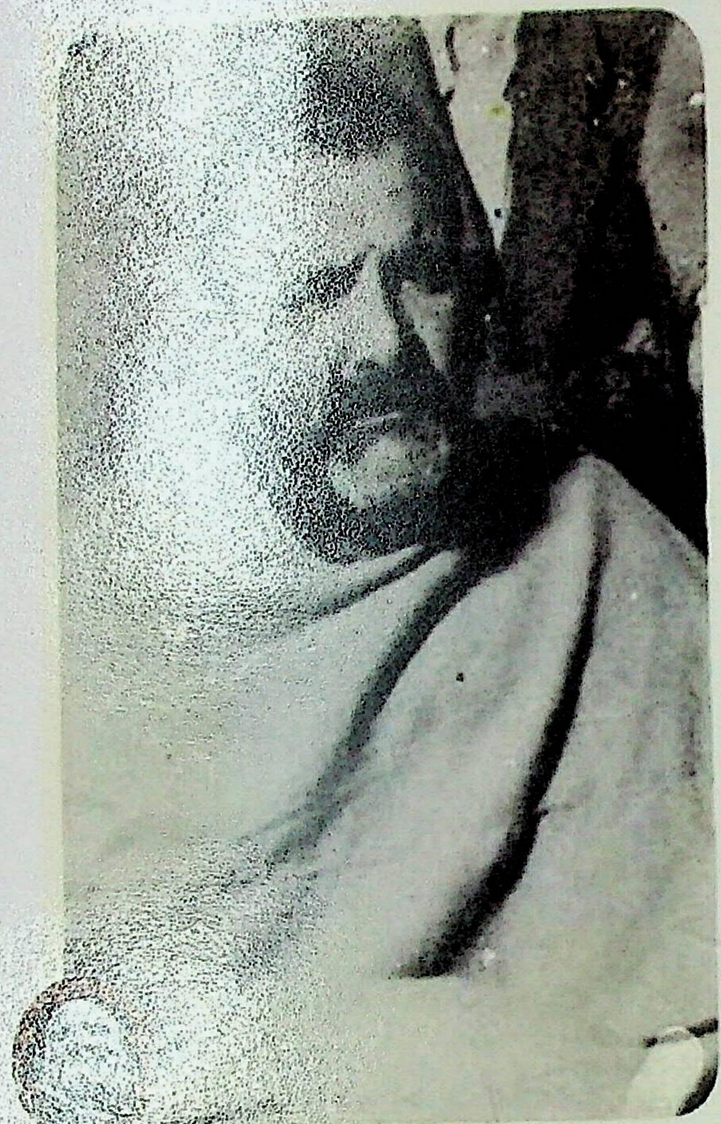
हम सिर्फ एक सामान्य व्यक्ति हैं ॥

हम सिर्फ हृदय परिवर्तन करते हैं ॥



एक संत की आँखें सदैव उसके अन्तः ध्यान में या प्रभु चिंतन में केन्द्रित रहतीं हैं, यदि वह एक पल भी इससे दूर होता है तो वह अपनी पवित्रता खो देता है ||

ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

""Take Prasad"" Maharajji with KK shah and others
"the world was not as it is..."

"Love is the strongest medicine. It is more powerful than electricity."



हमारा इस जन्म में उन्हीं लोगों से संयोग होता है,
जिनसे हमारा सम्बन्ध किसी न किसी रूप में पूर्वजन्म में रहा हो,
और इस मिलन की एक अज्ञात पर निश्चित अवधि होती है,
उसके बाद वियोग हो जाता है ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

"Total truth is necessary. You must live by what you say."

जिस तरह श्रद्धा के बिना कोई मूर्ति पत्थर मात्र है , जिस तरह मंदिर दीपक के बिना अधूरा है , इसी प्रकार मानव भजन और सेवा बिना पूर्ण नहीं ||



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

"In India, yoga flows in the blood of people."



सत्य की खोज में 'मोह' सबसे बड़ी बाधा है ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

Maharajji with babies head B&W

"Love all men as God, even if they hurt you or shame you. Be like Gandhi and Christ."



काम, लालच, गुस्सा, मोह ये सीधे नरक के रास्ते है ||

काम में राम को देखो ||





"I am Like the Wind
Nobody can hold me
I belong to Everyone
No one can own Me"
Maharajji from Yudhister's home



सभी महिलाओं को माँ समझो, सभी की सेवा अपनी माँ की तरह करो, जब तुम सम्पूर्ण संसार को माँ रूप में देखो गे तो अहंकार नष्ट हो जाए गा ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

"The great sadhus don't have a human body. They are omnipresent. If a saint changes form, he doesn't necessarily have to take on a human body. The soul is the small form and the human body is the huge form.



राम भी चले गए कृष्ण भी चले गए , हम भी चले जाएँ गे ,
पर मरेंगे नहीं ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

"I don't do anything, God does everything"

"Yad karne se ham aa jaate hain"
(Remember Me And I shall Come to You)

राम का नाम ऐसे मन में रखो जैसे बैंक में पैसे रखते हो ॥



गुरु के अंतर्ध्यान हो जाने पर गुरु स्थान ही गुरु स्वरूप हो जाता है ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

बाबा नीबकरौरी

"I don't want anything. I exist only to serve others."

"I have no powers. I don't know anything."

याद करनें से हम आजाते हैं ॥



जो हमारी तस्वीर के सामने होता है, हम उसकी हर बात सुनते हैं ॥



"Attachment is the strongest block to realization."



राम का नाम लेते रहो भले ही बेमन से लो, एक दिन ऐसा आयेगा की राम राम स्वतः निकलने लगेगा ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

"Often one goes for one thing and finds another"



पति कैसा भी क्यों न हो, परिवार को एक सूत्र में रखने के लिए पत्नी को धैर्य और निष्ठा से काम लेना चाहिए





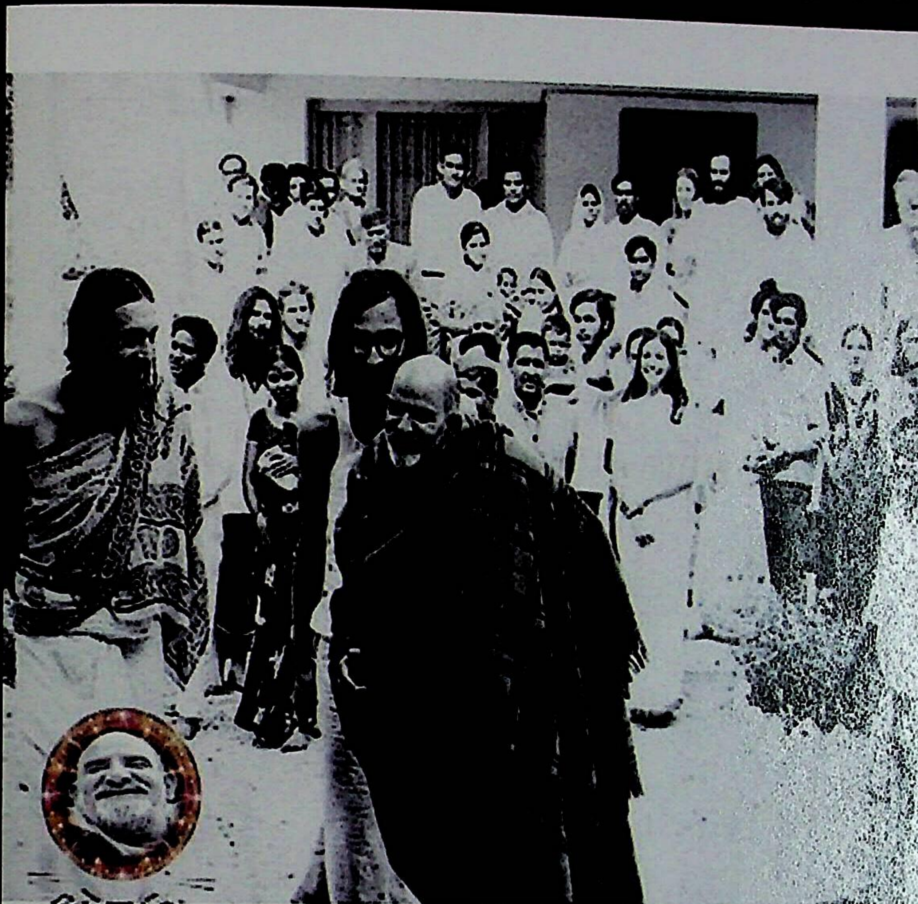
Baba Neem karoli

" If you want to see God, kill desires. Desires are in the mind. When you have a desire for something, don't act on it and it will go away. If you desire to drink this cup of tea, don't, and the desire for it will go away "

हम शिष्य नहीं भक्त बनाते है ||

यदि आप दूसरों से प्रेम नहीं कर सकते तो अपने लक्ष्य को भी प्राप्त नहीं कर सकते ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

"When a man has reached the point where he can sit in meditation for six months, there is no need of eating, no need of latrine or of rest. Only one drop of amrit nectar from the top of the head to the body keeps him alive. If a tiger eats that body there is no care, but only when the life comes back to the body will there be pain."

अपने पति को समर्पित पत्नियाँ योगियों से भी महान होती हैं।

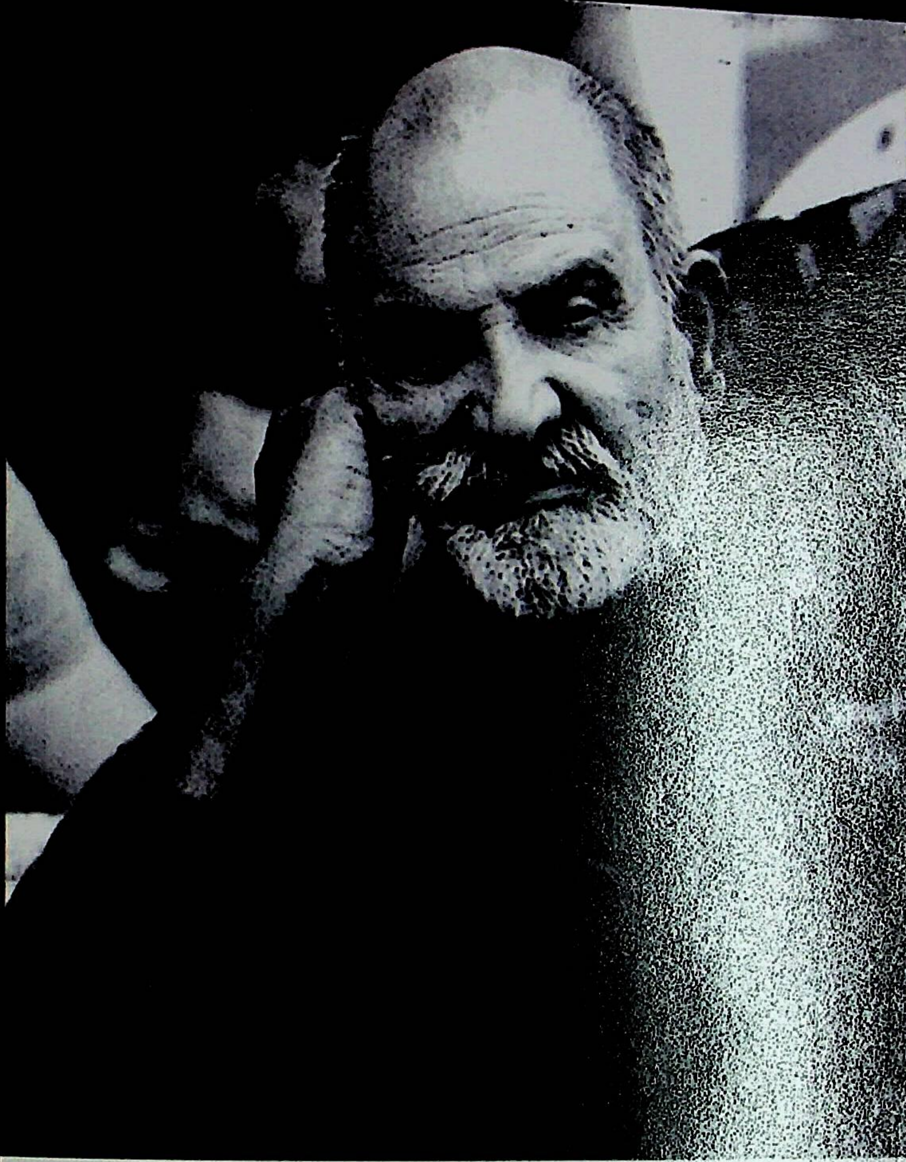


ईश्वर का स्मरण और प्राणियों की सेवा करने वालों को साधना और पूजा की आवश्यकता नहीं ||



संत और भगवान सर्व समर्थ हैं उनसे मांगना नहीं पड़ता,
वे सब जानते है – आप के लिए जो उचित है वे स्वतः दे देते हैं॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Maharajji asked an Indian girl four times, "do you like sorrow or joy?" each time the girl answered, "I've never known joy, Maharajji, only sorrow." finally, Maharajji said, " I love sorrow. it brings me closer to god."

शरीर जब बूढ़ा हो जाता है तब ये किसी काम का नहीं रहता
इसका मोह त्याग देना चाहिए ॥



Baba Neem karoli

"See all women as mothers, serve them as your mother. When you see the entire world as the mother, the ego falls away."

Maharajji & Mas, a frequent occurrence but rare... by His devotees, when Maharaji was in His body.

एक दिन माँ को महाराजजी के चमत्कारी रूप को देखते देखते संशय हुआ की आखिर महाराजजी कौन हैं ये जानने की इच्छा हुई।
माँ ने मौक़ा देख पूछा कि आखिर आप कौन हैं? तब महाराजजी ने कहा "तू गीता के सातवें अध्याय का सातवाँ श्लोक पड़ती है- मैं वही हूँ"
इसके बाद माँ के सारे भ्रम दूर हो गए और पूर्ण सेवा में समर्पित हो गईं ॥



संत और आश्रम को दिया गया धन वापस लेने के लिए नहीं देना चाहिए ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



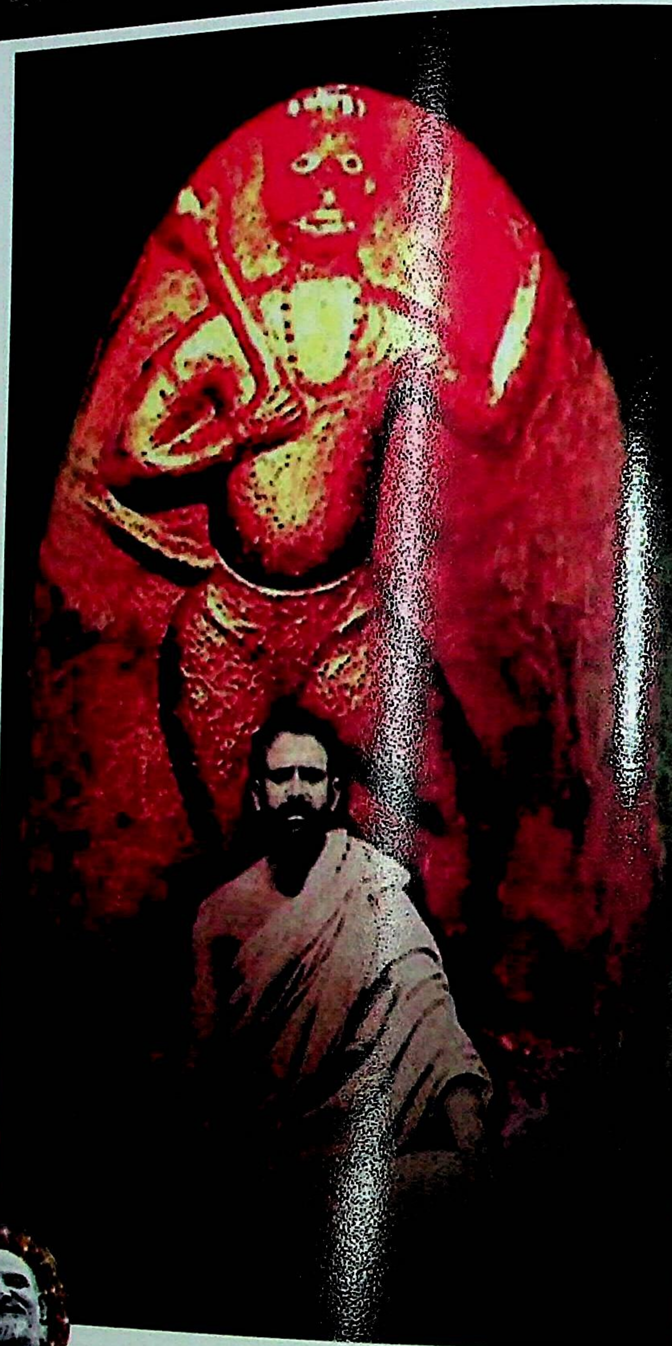
[illegible]hen asked how the heart could be [illegible], Maharaj-ji said, "Always speak the [illegible]."

Inside Babaji's Vavania, Gujarat H[illegible]a Mandir

This [illegible] located in Morvi District 300 K. West of Ahmedabad. Ther[illegible] [illegible]ree Hanumanji's here the smallest one on t[illegible] lower left Babaji made Himself. He was known here as "Tal[illegible] [illegible]aba" for the tapasiyas he did in the lake next to this small man[illegible]

महाराजजी कभी कभी यो ही अपनी मौज [illegible] देते थे – "**पूरन १७ वर्ष की आयु में ही हमें कुछ भी करना शेष नही [illegible] गया था।**" महाराजजी ने यहाँ खुले स्थान में तालाब के किनारे ए[illegible] [illegible]मान मूर्ति की स्थापना भी की और बाद में इस आश्रम को राम बाई [illegible]क एक महिला संत को सौप कर पुनःभारत भ्रमण को चल दिए। यहा[illegible] निकल कर महाराजजी दक्षिण भारत भ्रमण पर भी निकल गए जहाँ हनुमान मंदिरों का भ्रमण किया।

वावनिया में महाराजजी ने लगभग आठ वर्ष बिताये और कठोर साधना की





SABKI SEVA ATMN GYAN
(Service to co-beings leads to self-realization)

This Hanumanji was made by Mahraji with His own hands. Taken in Neeb Karori Village, UP. This photo was probably taken in the late 1920s or early 1930s.

सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सभी को भोजन कराओ





पैसा दूसरों की मदद के लिए इस्तेमाल करना चाहिए

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

Baba Neem Karoli

"If you do not make it empty, how will you fill it up again?"



शरीर एक प्रेतयान है, हर किसी को मरना है, व्यक्ति रोता है स्वार्थ और मोह के कारण, मरने वाला भी अपने परिवार के लिए रोता है ||

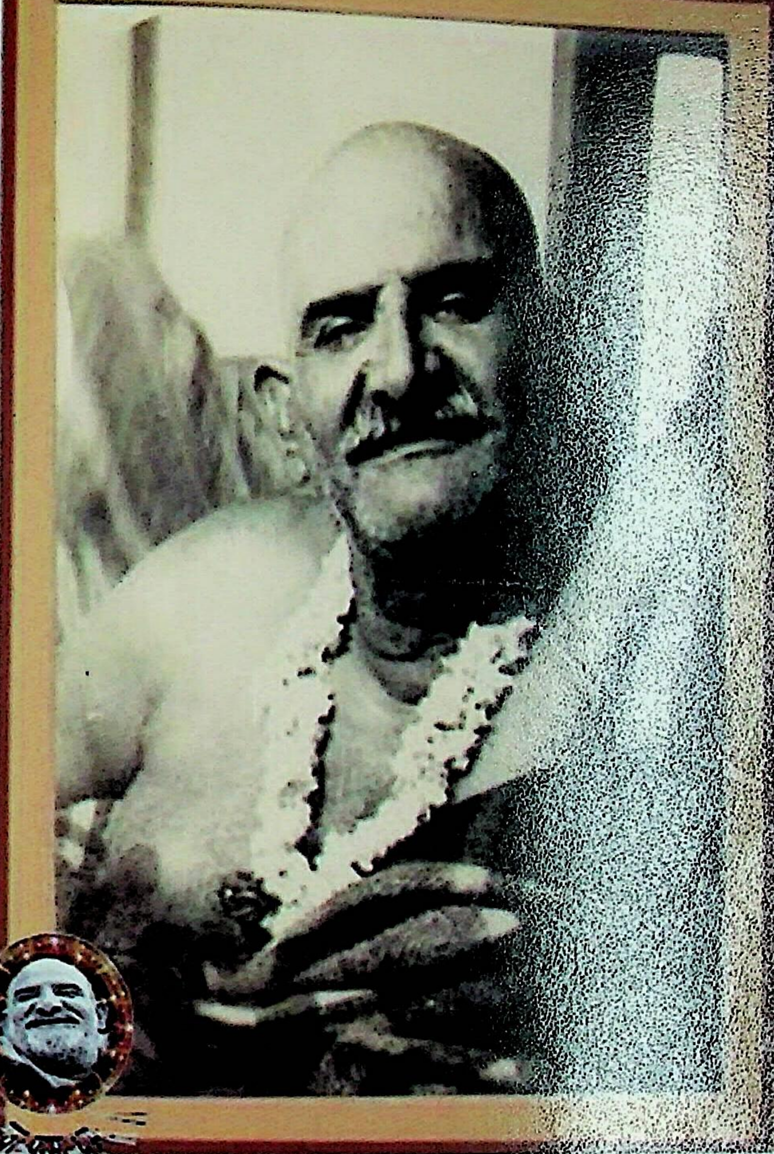


"A pure woman is better than a hundred yogis. Women are more open to love God."

भगवान हमारी प्रकृति में पूर्ण रूप से विद्धमान हैं, वे सर्वत्र हैं और कभी भी
हमारी आँखों से ओझल नहीं होते| यदि हम नहीं देख पाते या सच्चाई से उन
देखने का प्रयास नहीं करते, तो दोष हमारा है हम भेद दृष्टि से काम लेते हैं
हमारी संकीर्ण मनोवृत्तियां हमें इस प्रकार उलझाये रखतीं हैं, किहम सदा
उन्हें भूले रहते हैं, मन शुद्ध न हो पाने से हमें वह भगवद् प्रेम और शांति नहीं
प्राप्त हो पाती जिससे उनका प्रत्यक्ष अनुभव हो सके ||









Baba Neem karoli

"Women are higher than yogis if they are loyal to their husbands."

"A wife must serve God by serving her husband."

Maharaji with garland

दाह संस्कार से आत्मा की पुनः शरीर धारण करने की इच्छा कम होजाती है ||



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

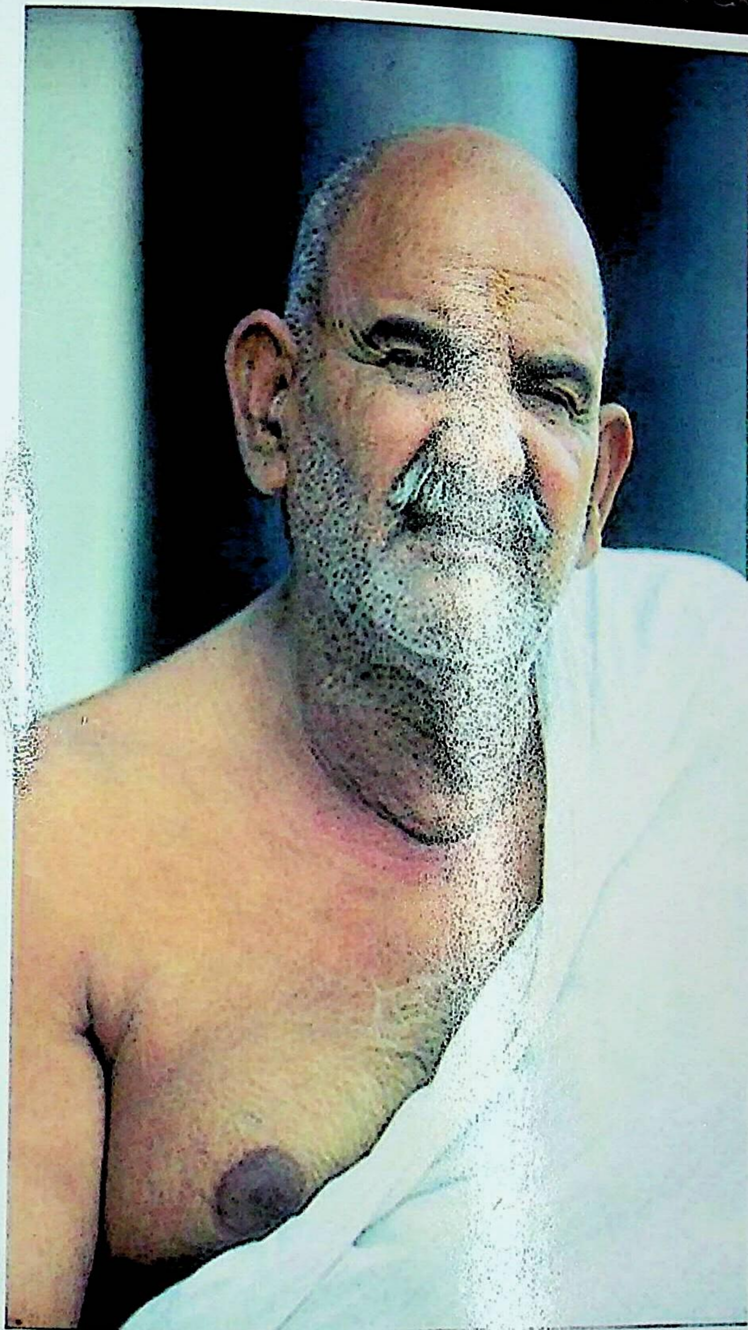


Baba Neem karoli

"Temples are but piles of stones. Attachment holds you back."

अपना आत्म बल बड़ाओ सब काम बनते चले जाएँ गे ॥





"A woman is a snake; you shouldn't even touch her."

Maharajji asked for those Who do not respect women.



जब आप सारे कार्य ईश्वर को समर्पित कर करते हैं, तब आप के कार्य स्वयं हो जाते हैं ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



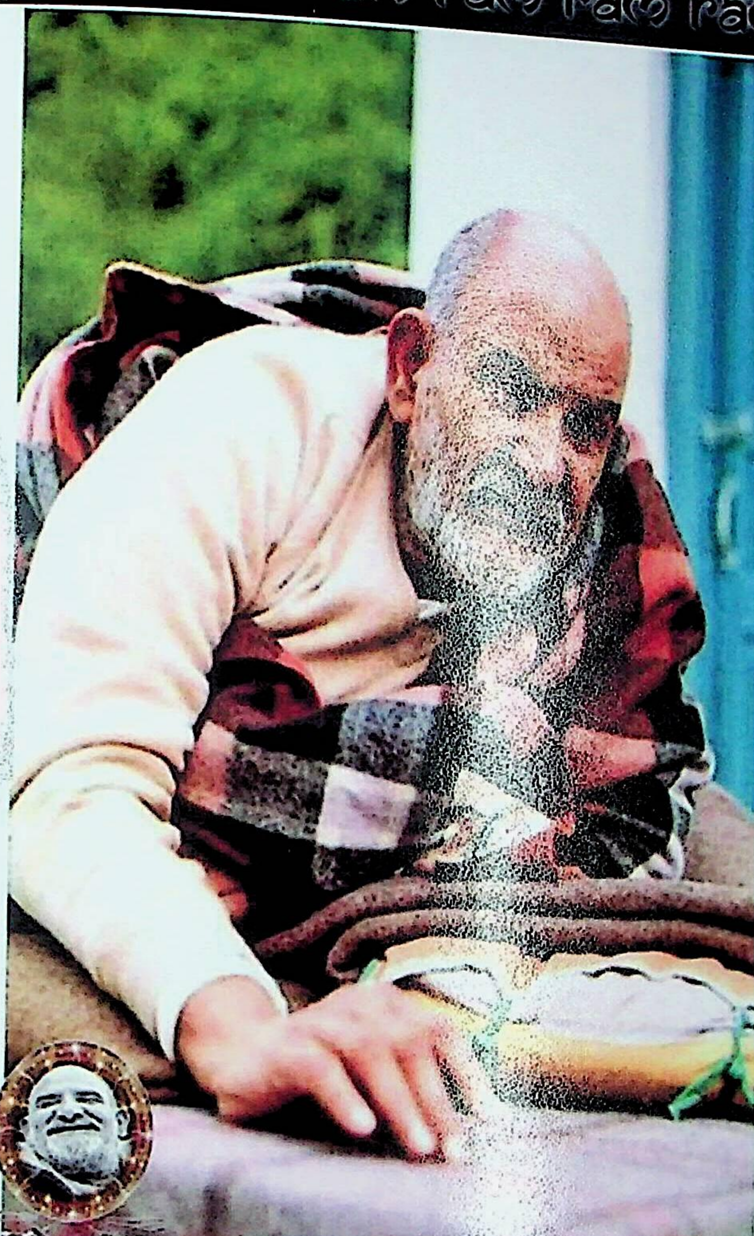
Baba Neem karoli

"Marriage is more attachment. You need more devotion and discipline to have union with God when you are married."



मैं किसी के अधिकार में नहीं हूँ, और न ही हमें किसी और की शक्ति के बारे में पता है ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Baba Neem karoli

"When you are sad or in pain or sick or you witness any cremation then you actually learn the many truths of life."

मैं हवा की तरह हूँ (जिसे पकड़ा नहीं जा सकता) मैं सबमें हूँ और पूरी दुनिया मेरा घर है ॥



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

Baba Neem karoli

"It doesn't matter if you are married or not, it only matters how much you love God." He chided: "This world is all attachment. Yet you get worried because you are attached."

जब भी तुम मेरे बारे में सोचते हो मैं तुम्हारे पास आजाता हूँ ॥



ईश्वर भाव का भूखा है, वह भाव खाता है, उसका जो भी कार्य है वह भाव से परिपूर्ण हो फिर तो वह तुम्हारा और तुम उसके ॥



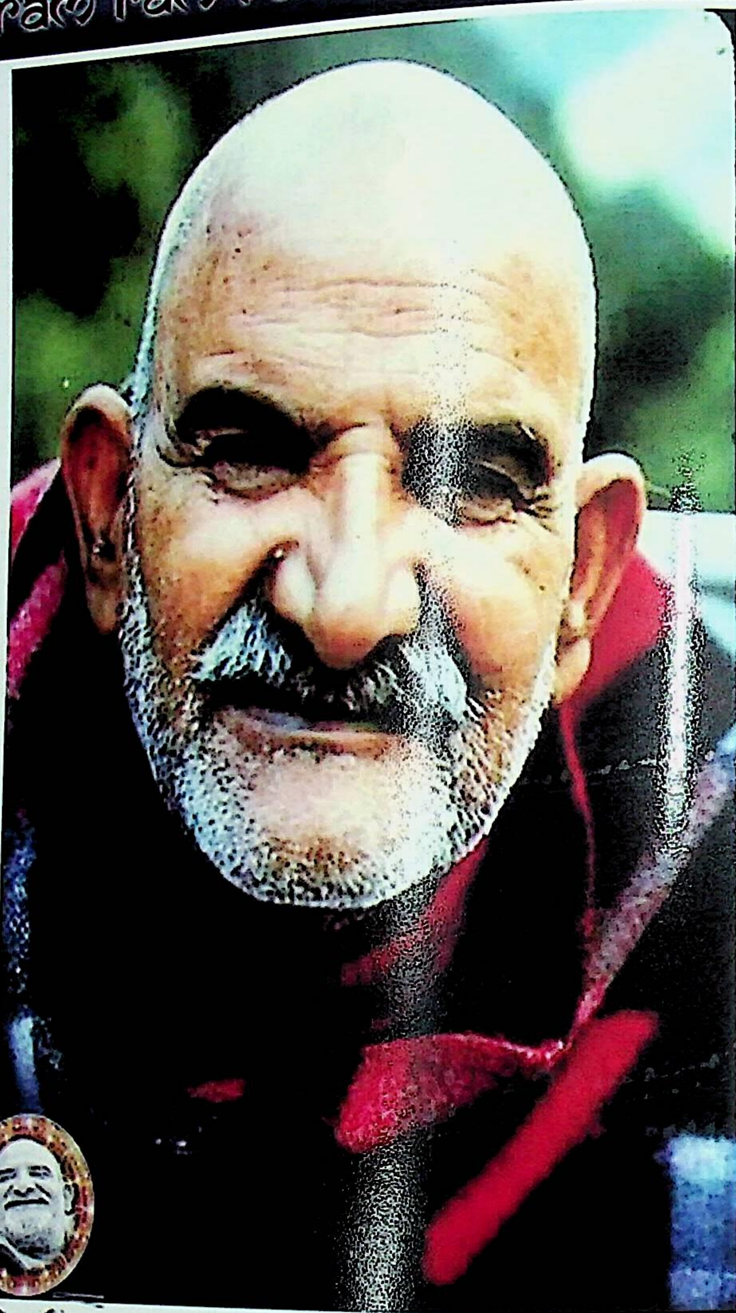
Baba Neem karoli

"Whoever may be your guru - he may be a lunatic or a common person. Once you have accepted him, he is the lord of lords."

अब बुरा वक्त आरहा है , बड़े बड़े घरों में मत रहना बहुत लूट, मार, काट होगी, छोटे मकानों में रहना ||



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

"Keep God in your heart like you keep money in the bank."



न ही मेरा कोई गुरू है और न ही मैं किसी को अपना शिष्य बनाता हूं॥

साक्षात्कार के लिए लगन लगाना बहुत आवश्यक है॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

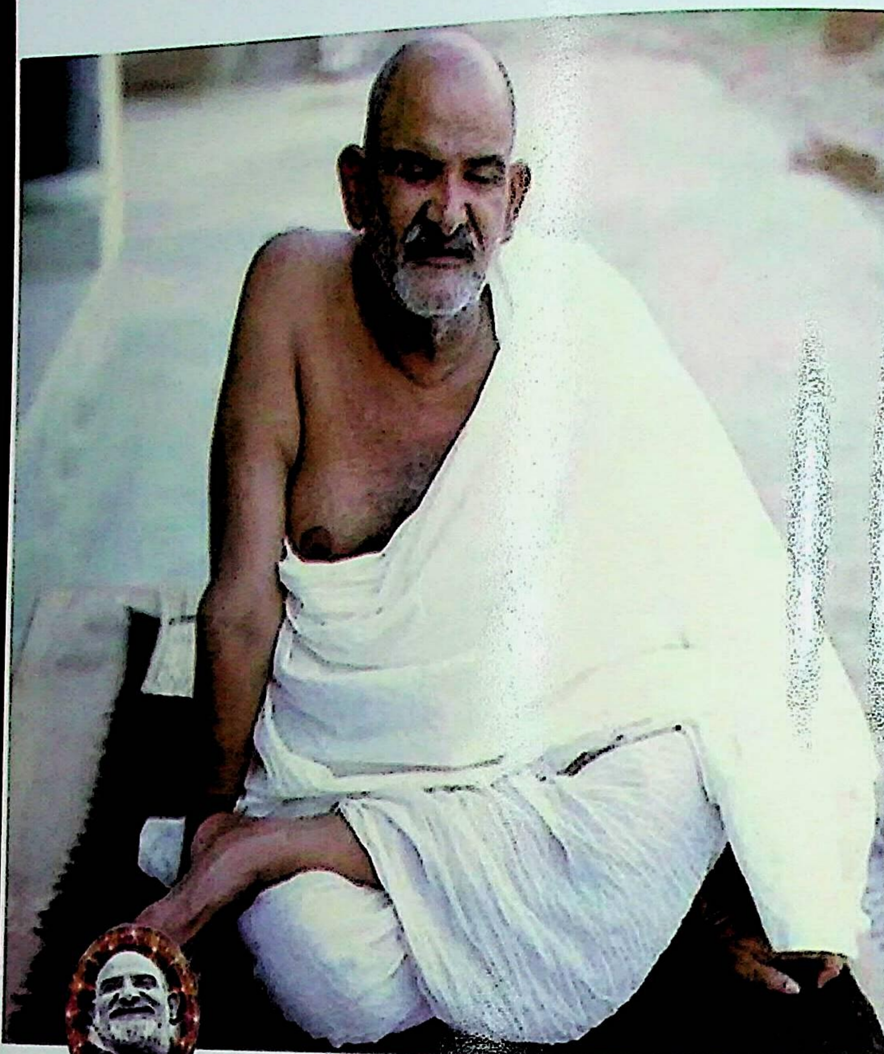
"If you do not make it empty, how will you fill it up again?"



कर्म करो कर्म करने से प्रभु श्री राम प्रसन्न होंगे ॥

ईश्वर के आगे सब गरीब हैं ॥

ram guru ram ram ram ram ram ram ram ram



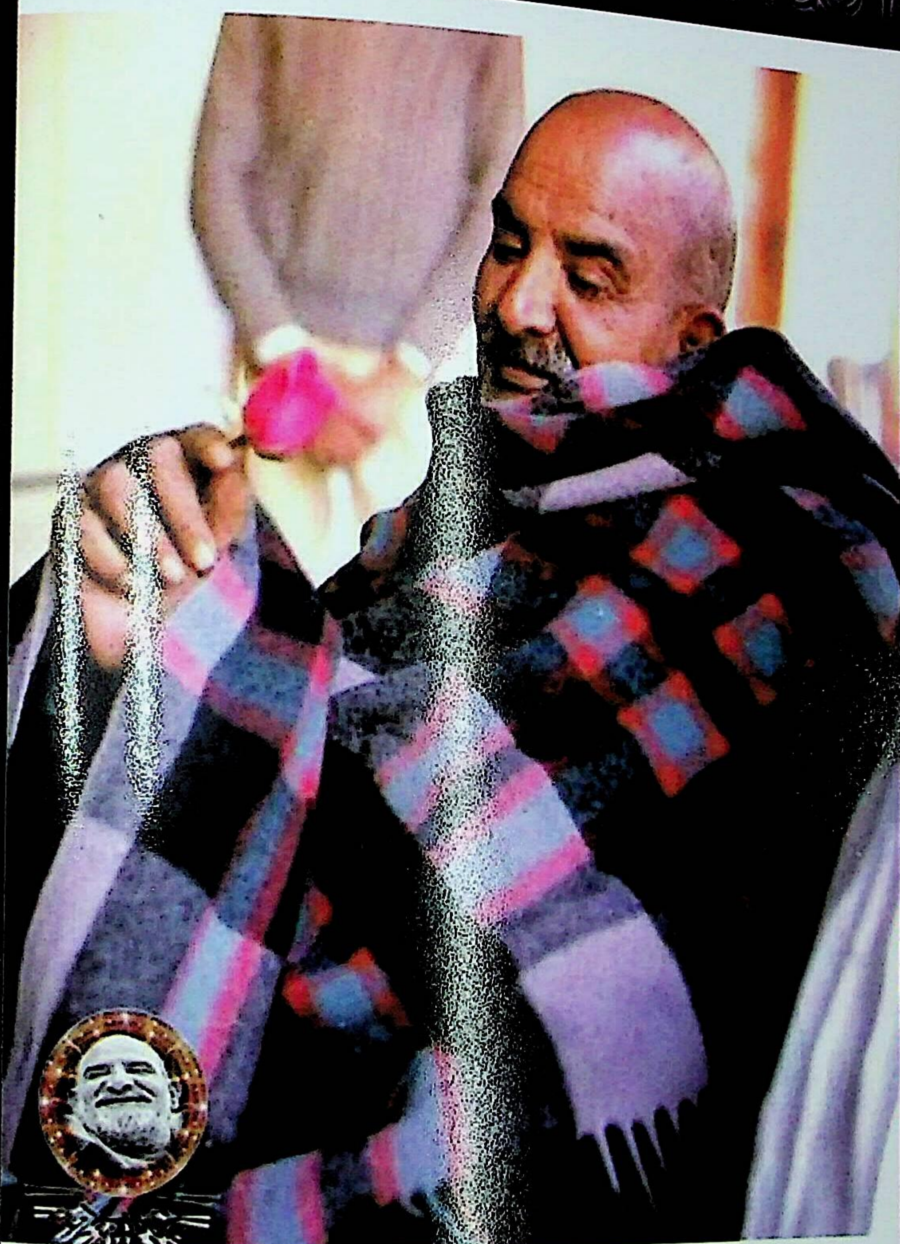
Baba Neem karoli

"When you loan money to a saint, don't expect to get it back."

"Money should be used to help others."

एक गुरु को अपने शिष्य के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए ॥

यदि आदमी हमें जान जाये गा, तो दुनियां हमारे रोम रोम को नोच कर ताबीज बनाने लग जाए गी ॥

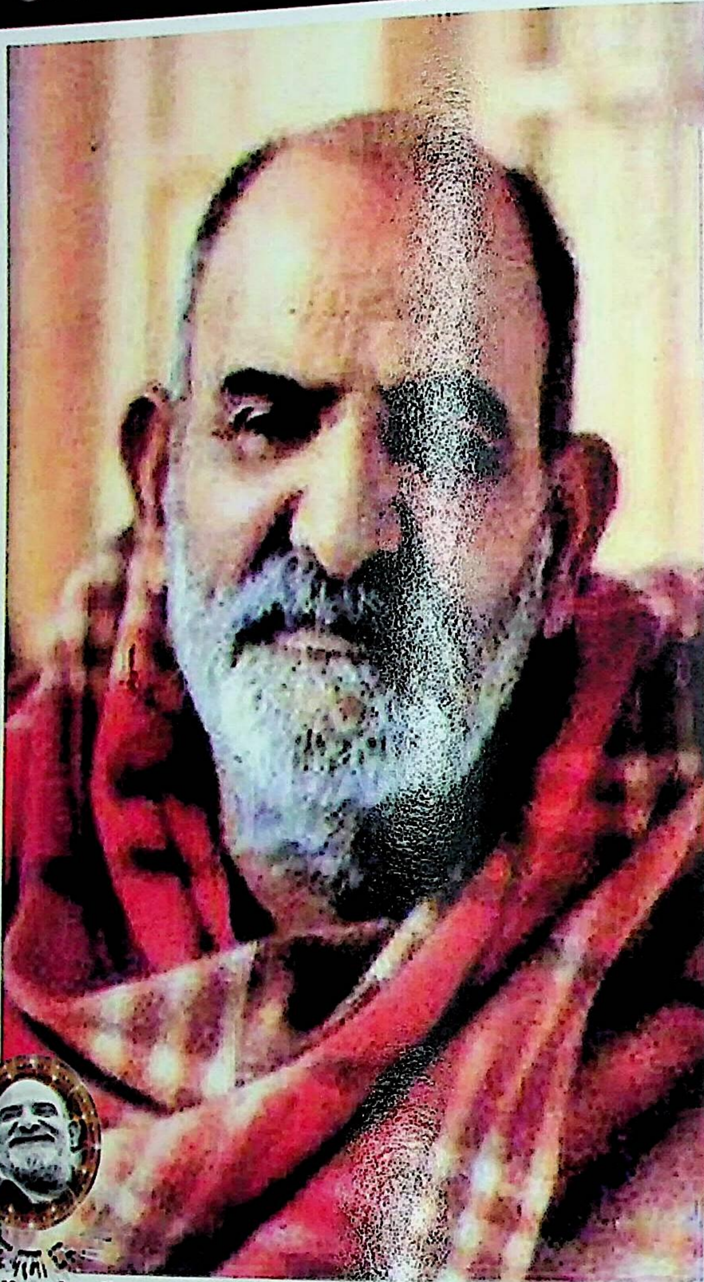


Baba Neem karoli

"If you desire a mango at the moment of death, you'll be born an insect. If you even desire the next breath, you will take birth again."

तुम मुझे छोड़ सकते हो पर मैं जिसका एक बार हाँथ पकड़ लेता हूँ फिर कभी नहीं छोड़ता ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

"The eyes of a saint are always concentrated on the supreme self. The minute he is aware of himself, sainthood is lost."



पैसा दूसरों की मदद के लिए इस्तेमाल करना चाहिए ॥
मनुष्य से क्या मांगना वह दे क्या सकता है ॥

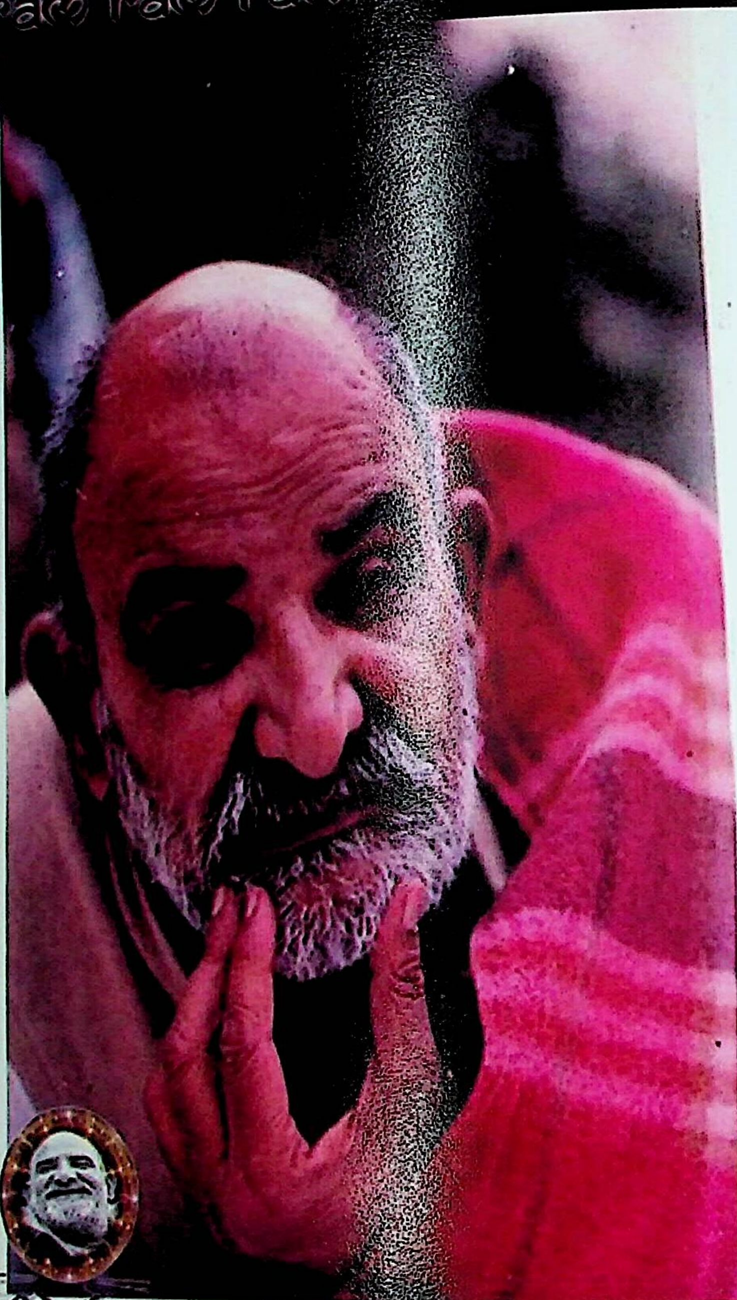
ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

The best service you can do is to keep your thoughts on God. Keep God in mind every minute."

मंदिर सिर्फ एक पत्थरों का ढेर है आप की श्रद्धा और विश्वास ही इसे पूज्य बनाते हैं ||



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Baba Neem karoli

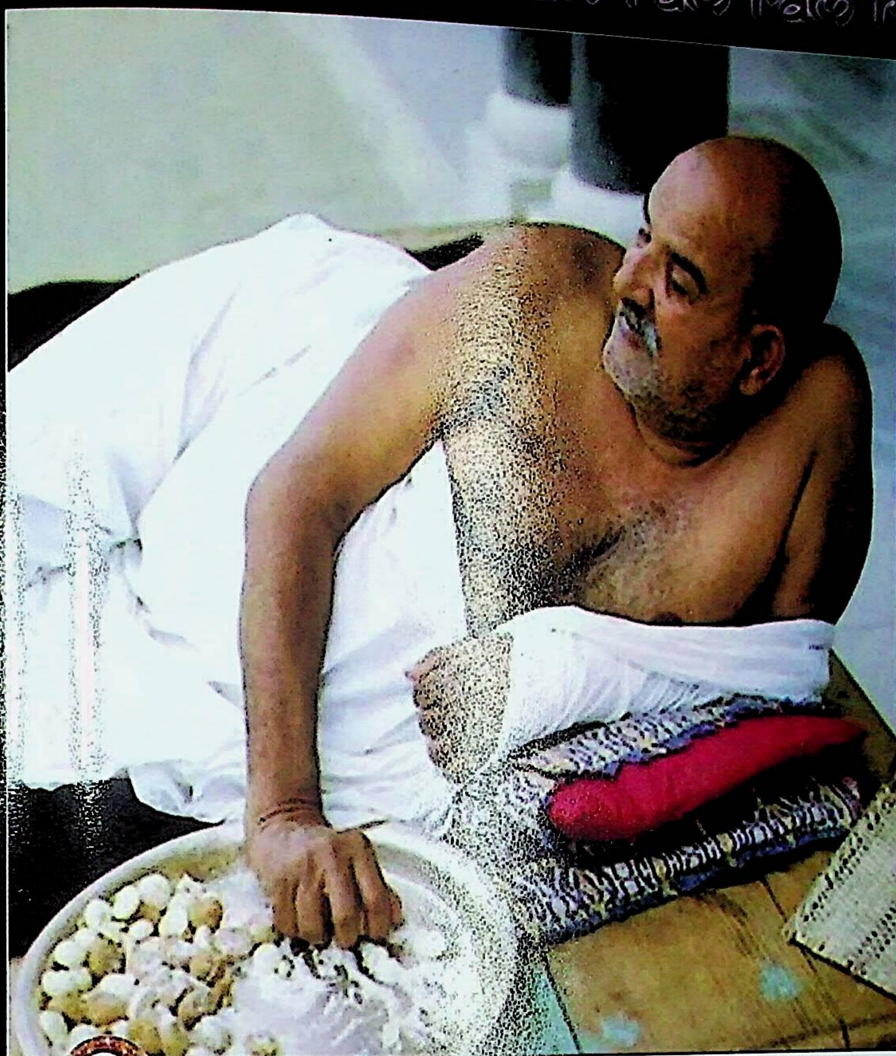
"To see God, you must have special eyes. Otherwise you cannot bear the shock."

अपने दिल के आइने को शुद्ध रखो तो तुम भगवान को देख सको गे ||



ईश्वर भाव खाता है, वह भाव का भूखा है, उसका जो भी कार्य हो भाव से हो; फिर तो तुम उसके वह तुम्हारा ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





"Saints did Jap (japa) and Sadhana for 10,000 years..., only then they could succeed in Jap, Meditation and Yoga. But people want to be expert within 5-7 months only."

ये सब उसका है वो दे या न दे उसकी मर्जी हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं ||



माता पिता के जीवित रहते भगवान की खोज आवश्यक नहीं , माता पिता की बोलती, चलती मूर्ति की पूजा कठिन है और यही सबसे बड़ी साधना है ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





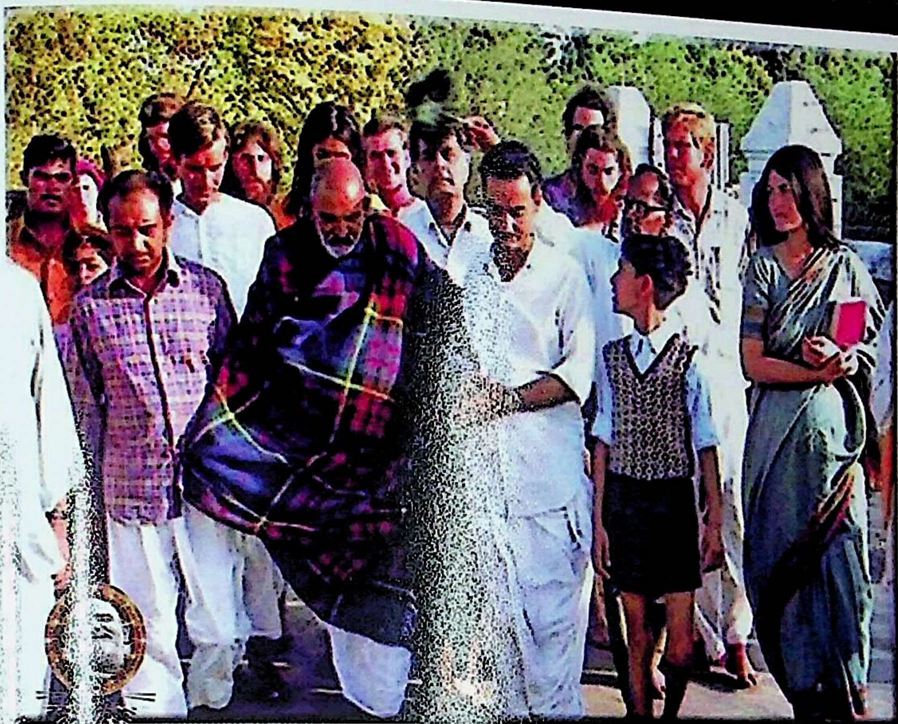
-See God in everyone. it is deception to teach by individual differences and karma.

Maharajji asked an Indian girl four times, "do you like sorrow or joy?" each time the girl answered, " I've never known joy, Maharajji, only sorrow." finally, Maharajji said, " I love sorrow. it brings me closer to god."



भगवान की पूजा करने का सबसे अच्छा तरीका है कि तुम हर एक व्यक्ति में भगवान को देखो ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



NEEM KAROLI BABA

Narada. never stops chanting the names of Hari. He once asked Lord Vishnu who is his most ardent devotee. Vishnu said its a poor farmer. Narada was perplexed. To clear Nardas doubt Vishnu hands him a vessel filled to the brim with oil and asks him to go to the top of mountain and come back without spilling a drop. Narada returns with the oil intact. Vishnu asks "how many times you chanted my name" Narada said my mind was fixed on oil only. Vishnu then tells him that the farmer has his MIND always fixed on me all the time despite all his days work and duties.



जिस किसी को भी आप अपना गुरू मान लेते हैं, वह एक साधारण इंसान हो या फिर पागल आप के लिए वह ईश्वर का भी ईश्वर हो जाता है ||

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

It is entirely against the traditions of the ashram that people should get away without getting prasad."



तुम हमारे पास इसलिए आते हो क्योकि हम तुमसे प्रेम करते हैं ॥

गुरु, मृत्यु और भगवान को सदैव याद रखना चाहिए ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



Reading the Gita in front of Maharajji, a devotee paused and asked him what was the quickest and shortest method to see God. Maharajji laughed and asked the man if he knew how to swim. The devotee replied that he did. Then Maharajji said that, in that case, he should first bind his arms and legs, tie himself to large boulders and throw himself into deep



हमें दुःख बहुत प्रिय है क्योंकि दुःख में हम अपने प्रभु श्री राम को याद करते हैं। सुख में हम उन्हें भूल जाते हैं॥

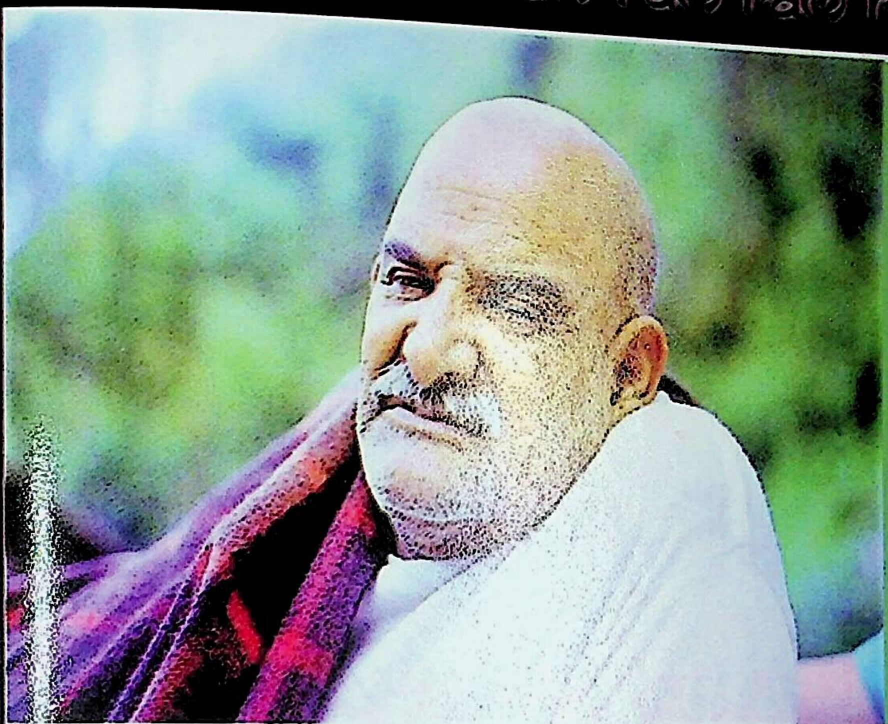
ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

worldly people go outward, but you must go inward like the tortoise, withdrawing within your shell.



सभी धर्म मूलत: एक हैं सब ईश्वर की ओर लेजाते हैं, सब मनुष्य भी एक है।
वह खून सब में है जो हदय से होकर शारीर में दौड़ता है ॥

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram



"Everything is impermanent, except the love of God."

"The best form to worship God is every form."

"Money should be used to help others."

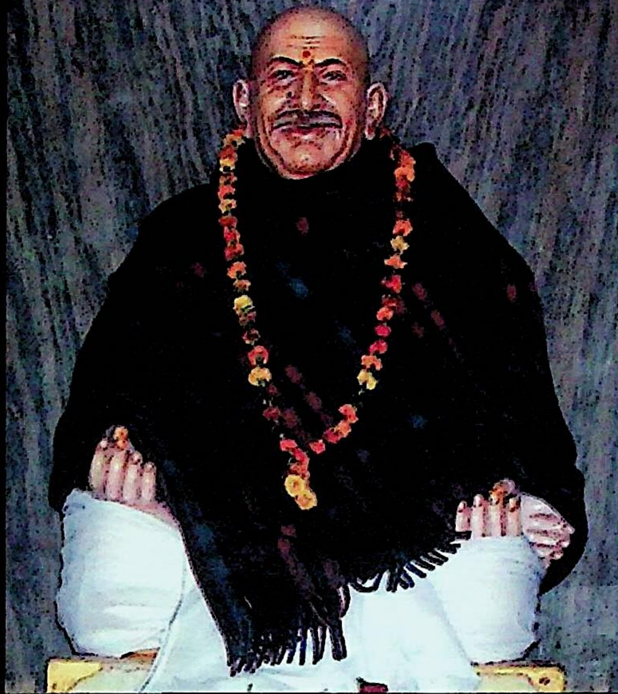
"Work is worship"

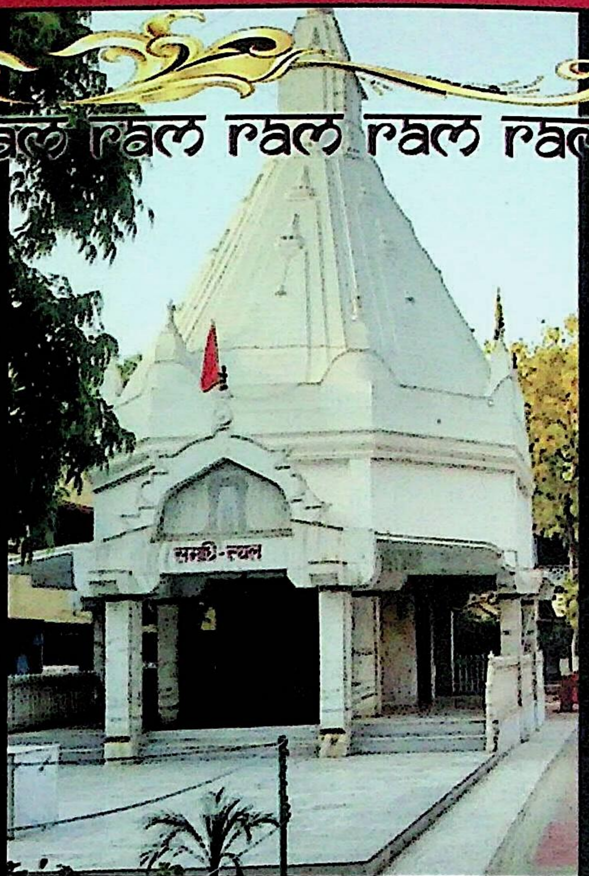
"If you do not make it empty, how will you fill it up again?"



भारतीय संत श्री स्वामी राम ने, जो सयुक्त राज्य अमरीका में ,हिमालय अंतर्राष्ट्रीय योग विज्ञान और दर्शन, संस्थान के अध्यक्ष हैं अपनी पुस्तक "लिविंग विद हिमालय मास्टर्स" में बाबा के सम्बन्ध में अपने अनुभव व्यक्त किये हैं।

ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram





Vrindavan Ashram Samadhi sthal

The wonderful Neeb Karori Baba Vrindavan Ashram is located in Krishna's holy city of Vrindaban on the plains of Uttar Pradesh. The first temple was inaugurated in 1967. This ashram is on Parikrama Marg a short ways from Mathura Road. It was in Vrindaban that Maharaj-ji chose to leave His body in 1973. Within this ashram is the Mahasamadhi Mandir of Neem Karoli Baba / Neeb Karori Baba. This is the site of Maharaj-ji's Mahasamadhi Bhandara in September. This ashram has experienced a lot of growth, including addition of a Ram-Sita-Laxshman-Hanuman Mandir, new ashram rooms, new paint, an excellent new kitchen, and large meeting hall.

Maharajji's Vrindavan Ashram has Beautiful Gardens during several months of the year.

Some westerners are permitted to stay at this ashram. A letter of introduction and prior arrangement with the ashram are a must if you wish to stay in the ashram.

For more information, contact the Ashram Manager. Address: Baba Neeb Karori Ashram, Parikrama Marg Goshala, Vrindaban, Dist: Mathura, UP 281121, India, Telephone: (0565) 2443111



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

Kainchi is a beautiful secluded mountain ashram located in the Kumoan Hills in Uttarakand. The first temple was inaugurated in June 1964. It is approximately 38 km from Naini Tal. Many hundreds of people visit the temples here every day, in season.

Each year, during the famous June 15th bhandara, reportedly, more than one lakh (100,000) people are fed. Beautiful Gardens.

Rules are strictly enforced and individuals staying at the ashram are required to participate in morning and evening arati. While the temples are open to everyone from 7am to 6pm in Winter, the ashram is closed for 4-5 months, because it becomes very cold.

महाराजजी 1942 में पहलीबार कैंची की पहाड़ियों पर आए थे और उन्होंने 1962 में कैंची धाम बसाया। नैनीताल-अल्मोड़ा रोड पर 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर शिप्रा नदी के किनारे बसा हुआ है। इस मंदिर का नाम कैंची इसलिए पड़ा क्योंकि यहां की सड़क पर 2 बेहद घूमावदार मोड़ हैं जो कि कैंची जैसी आकृति के हैं। इस आश्रम से महाराजजी को लगाव रहा जिस कारण जकरबर्ग और स्टीव जॉब्स के अलावा कई अन्य विदेशी गणमान्य लोग भी नियमित तौर पर कैंची धाम आते रहे हैं। स्टीव जॉब्स 1974 के दौर में कैंची धाम आए थे। उस समय महाराजजी अपनी भौतिक लीला समाप्त कर चुके थे।



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

संछिप्त जीवन परिचय

एक नया जीवन दर्शन देने बाले मार्ग दर्शक, सर्व धर्मसमभाव के स्वरुप.....

संत सेवा, संत दर्शन और सत्संग एक मार्गदर्शक की भूमिका में जीवन की हर मुश्किल को आसान बना देते हैं, ऐसे ही हैं हमारे बाबा संत सेवा, संत दर्शन और सत्संग का साक्षात् संगम बजरंगवली के अवतार बाबा श्री नीबकरौरी जी महाराज (Shri Baba Neemkaroli ji Maharaj) का जीवन दर्शन |

नाथों का नाथ तू, अखंड ज्योति स्वरुप तू, तू सर्वोपरि है, तू दुःखभंजन है, तू मेरा मीत है,तू मेरी प्रीत है, तू तो मेरा ईष्ट है, दीनानाथ प्रभु श्री राम जी के अनन्य भक्त साक्षात् बजरंगवली के अवतार बाबा श्री नीबकरौरी जी महाराज को कोटि कोटि वंदन| आप की महिमा अनंत है आप की महिमा अपरम्पार है|

वैसे तो बाबा जी का परिचय साधारण मनुष्य के बस की बात नहीं और लौकिक या भौतिक परिचय भी देना अति कठिन है पर जैसा की कई भक्तों ने अनुमान लगाया है उस आधार पर बाबा जी का संछिप्त लौकिक परिचय देने की कोशिश करता हूँ |

बाबा नीबकरौरी महाराज जी का जन्म उत्तरप्रदेश के फिरोजाबाद जिले के अकबरपुर गाँव में सन 1900 के आसपास शुक्लपक्ष अष्टमी को मार्गशीर्ष के महीने में हुआ था | इनके पिता जी का नाम श्री दुर्गा प्रसाद शर्मा जी जो एक जमीदार थे| जन्म के समय ही कुछ विद्वानों ने भविष्यवाणी की की आप के पास लक्ष्मी का कभी अभाव नहीं होगा | इस कारण पिता जी ने आप का नाम लक्ष्मी नारायण शर्मा रखा | बाबा जी का वचपन से ही संत स्वभाव देखकर पिता जी ने पुत्र का विवाह नौ वर्ष की कम उम्र में श्रीमती रामबेटी नाम की एक धनाड्य ब्राह्मण की संस्कारी कन्या के साथ कर दिया| विवाह जैसा अटूट वन्धन भी बाबा जी को रोक न सका और ग्यारह वर्ष की आयु में आप ने घर त्याग दिया|

और आप गुजरात मोरवी जिले के ववानिया नामक स्थान पर पहुचे वहाँ आप ने अपना संत जीवन प्रारम्भ किया आप ने वहाँ हनुमान विग्रह की स्थापना की | आप को संत रूप में सब तलैयाबाबा के नाम से जानने लगे आप ने अपना भौतिक परिवार व नाम किसी को नहीं बताया, सात वर्ष वहाँ रहने के बाद आश्रम की जिम्मेदारी श्री रमाबाई को सौप आप भारत भ्रमण पर निकले| इसी बीच आप ने दक्षिण भारत का भ्रमण किया जहाँ आप का नाम डंडी बाबा पड़ा| आप की लीलाओं का हम सभी सिर्फ अंदाजा लगासकते है आप का विस्तार या निश्चित कोई नहीं कह सकता | दक्षिण भारत यात्रा के बाद आप वृन्दावन की तरफ से गंगा स्नान करने फर्रुखाबाद जा रहे थे की नीबकरौरी नामक गाँव के पास ट्रेन में आप के साथ एक घटना घट गई आप के पास टिकिट नहीं था और आप प्रथम श्रेणी के डिब्बे में बैठे थे| जांच में आप के टिकिट न दिखाए जाने पर अंग्रेज गार्ड ने आप को गाडी से उतार दिया और गाड़ी को चलाने को कहा पर ये क्या गाड़ी टस से मस न हुई| सारे प्रयास किये गए इंजिन चेक हुआ पर कोई फायदा नहीं फिर किसी समझदार व्यक्ति ने उस गार्ड से कहा की बाबा जी से कहो वो चला देंगे | गार्ड ने आप से गाड़ी चलाने की प्रार्थना की तो आप ने कहा हमें उतार कर गाड़ी से चलने को कहलबाता है| गार्ड ने आप से भी आदर सहित चलने को कहा तब आप ने उसे प्रथम श्रेणी के ही कई सही टिकिट अपने पास दिखाए | इसी बीच नीबकरौरी गाँव के लोगो ने आप को वापसी में नीबकरौरी रूकजाने की प्रार्थना की और आप ने स्वीकार कर ली और फिर आप यही आगये | यहाँ आप के चमत्कार देख सब आप के प्रिय हो गए आप सभी को परिवार जैसा मानते थे| आप की चर्चायें दूर दूर तक होनें लगीं तभी आप के पिता जी को किसी ने आप के यहाँ होने की सूचना दी तो वो आप से मिलाने आये और आप को घर में अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाने की आज्ञा दी |





आप ने सहर्ष स्वीकार की और घर चले गए अब आप ने एक ही समय में दो जिम्मेदारी निभाई एक गृहस्थ और दूसरी सिद्ध तपस्वी की जिसके लिए सम्पूर्ण संसार ही उसका घर है| जीवन का ये अनोखा संगम किसी संत में नहीं मिलता की सिद्ध गृहस्थ लौकिक और अलौकिक दोनों एक साथ भगवान श्री कृष्ण की तरह जीवन निर्वाह करे| आप के दो पुत्र और एक पुत्री हुई जिनका नाम क्रमशः श्री अनेग सिंह शर्मा, श्री धर्मनारायण शर्मा और श्रीमती गिरिजा जी है| आज बाबा जी की सात पोतिया और एक पोते श्री धनञ्जय शर्मा जी है| आप अपने गाँव के जमीदार रहे और बाद में दस वर्ष प्रधान रहे|

आपनी सबसे छोटी संतान जिरिजा जी की ग्यारह वर्ष की आयु होने के बाद आप ने अपने घर को पुनः त्याग दिया| और नीबकरौरी ग्राम में आगये आप के चमत्कार और मनमोहक मुस्कान तेजोमय चहरे से सभी आप के भक्त बनते गए और आप की ख्याती अब सम्पूर्ण भारत में फ़ैलने लगी | नीबकरौरी में आपने स्वयं हनुमान जी के विग्रह का निर्माण किया जो मिट्टी और गोबर की है इस विग्रह के स्थापना दिवस पर आप एक महीने तक का भंडारा कराते थे जब आप ने 1935 में भंडार कराया तो आप ने अपनी जताए भी हटा दी और आप ने अपने भक्तो को एक नया रूप दिया प्रेम करने को| कहा जाता है आप कई दिनों तक समाधी में यहाँ बनी गुफा में रहते थे किसी को अंदर जाने की आज्ञा नहीं थी एक दिन आप सम्माधि से निकले आप को बहुत भूख लगी थी आप ने यहाँ हनुमान विग्रह के पास जाकर हनुमान जी पर डंडे से प्रहार किया और मार मार कर चिल्लाते रहे, मुझे भूखा ही मार डालेगा क्या? यह पहली घटना ही सिद्ध करती है की आप अपने को ही प्रताड़ित कर रहे थे वरना भला कोई भक्त अपने प्रभु को ऐसे कैसे कह सकता है| उसी समय कई अनजान लोग फल और पकवानों से सजे थाल आप के लिए लाये और भेंट किये| एक बार एक भक्त से किसी के द्वारा अनुचित कहे जाने पर आप ने दिव्यद्रष्टि से देखलिया और आप ने नीबकरौरी ग्राम को छोड़ दिया आप फतेहगढ़ सरसैयाघात रहने लगे वहाँ आप ने गायें पाली और कुत्ता भी पाला| वहाँ आप के कई मिलिट्री वाले भक्त बने जिनमे एक अंग्रेस कमांडर भी था| 1940-1945 के बीच आप नैनीताल और हनुमान गढ़ी रहें जहाँ आप को सभी भक्त चमत्कारी बाबा कहकर पुकारते थे| इस सब घटना क्रम के बाद भी आप ने अपना देश भ्रमण हमेशा सुचारुरूप से चलने दिया आप इलाहबाद आदि व अन्य हनुमान मंदिरों पर जाते रहे| 1960 के बाद आप के विदेशी भक्त आप की ओर खिचने लगे जैसे उन्हें किसी ने पुकारा हो और बिना पते के ही वो आप से सीधे संपर्क में आगये | आप ने बिना धर्म देखे जाति देश या पद देखे सभी को अपनी कृपा द्रष्टि दी | आप से जो भी मिलता सपरिवार आप का होजाता उस परिवार के वुजुर्ग कम बच्चे आप के ज्यादा प्यारे हो जाते| आप ने जाने कितने मृत शरीरों और चेतनाओं को जीवनदान दिया| आप ने अनेक माँओं को लाल दिए नौकरियां दी और आज भी आप की कृपा कम नहीं है| आप की कृपा पाने वाले तो अनंत है पर कुछ के नाम हमें मालूम है जिनकी आप ने बिगड़ी बनाई- माइकल रिग्गस (भगवानदास), रिचर्ड अल्पर्ट(राम दास-हार्वड यूनीवर्सिटी में मनोवैज्ञानिक प्रोफ़ेसर), जेफ्फ्री कगेल (कृष्णदास- एक रांक स्टार जो अब विश्वप्रसिद्ध भजनगायक है), डगलस उत्तल (जय उत्तल – एक मशहूर भजन गायक), डॉ० लैरी ब्रिलियंटट, स्टीव जोब्स (एप्पल के जन्मदाता आप के शरीर छोडने के बाद कृपा पात्र बने), जुलिया रोवार्ट (अभिनेत्री आस्कर विजेता आप की फोटो देखकर ही हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया), साधू माँ, माँ जया, जेफ़्री मिल्लर (लामा सूर्य दास), राम रानी मशहूर अमेरिकिन लेखक, पूर्व राष्ट्रपति डा० शंकरदयाल शर्मा, राष्ट्रपति वि.वि. गिरी, उपराष्ट्रपति गोपालस्वरूप पाठक, पं० जवाहरलाल नेहरू, राज्यपाल कनैयालाल माणिकलाल मुंसी, उपराज्यपाल भगवान सहाय, राजा भद्री, न्यायमूर्ति वासुदेव मुखर्जी, जुगलकिशोर बिडला, सुमित्रानंदन पन्त, अंग्रेज जनरल मैकन्ना आदि अनेक नेता और कर्मचारी बाबा जी के सेवक और भक्त थे |



ram ram ram ram ram ram ram ram ram ram

जब बाबा जी के अनेको प्रिय भक्तो ने उनके नाम स्मरण हेतु एक नाम पूछा तब बाबा जी ने अपना नाम नीबकरौरी बताकर नीबकरौरी ग्राम के साथ अपने प्रेम को दर्शा दिया और इस छोटे से गाँव को अमर कर दिया। बाबा जी कहते थे तू मुझे छोड़ सकता है पर हमने पकड़ लिया तो नहीं छोडू गा। नीबकरौरी गाँव का नाम खुद को देकर बाबा ने ये बात आजीवन सिद्ध होने का उदाहरण प्रस्तुत किया।

बाबा जी ने अद्वैतवाद को आगे बढ़ाया और ईश्वर प्रेम, योग का एक सामान्य रास्ता अपने सामान्य व साधारण व्यक्तित्व से दे दिया। बाबा जी संतों के संत है गुरुओं के गुरु है। बाबा जी को आठो भौतिक सिद्धियाँ मिली और भगवत प्रेम के लिए अन्य सिद्धियाँ भी मिली हुई थी। बाबा जी ने अनेको भक्तो को हनुमान रूप में साक्षात्कार कराये और कईयों संत महात्माओं और भक्तो को उनके ईष्ट के रूप में दर्शन दिए। आप की महिमा आप के भौतिक शारीर छोडने के बाद कम नहीं हुई आप ने अनंतचतुर्दशी 1973 को वृन्दावन में भौतिक शरीर छोड़ दिया पर आप के भक्त पूर्व की तरह ही कृपा पाते है। आप सभी भक्तों के हृदय में महावीर रूप में ही विराजते है।

बाबा जी की शिक्षाए बहुत ही सामान्य है- उन्होंने कहा काम में राम को देखो, कर्म करने से ही प्रभु राम प्रसन्न होंगे। बेकार विचारों को मन में न लाओ जब मन में बेकार के विचार लाओगे तो राम को कैसे पाओगे।

बाबा का परिवार सम्पूर्ण विश्व है उहोने सभी को अपना बेटा, बहन, माँ, भाई, पिता समान माना सभी को सेवा का सन्देश दिया वो कहते थे "सभी से प्रेम करो, तुम जितना प्रेम बांटोगे उससे कई गुना ज्यादा पाओगे, किसी को भूखा न रहने दो यही भगवान को पाने की कुंजी है" हर पल राम का नाम रटो एक न एक दिन ये नाम स्वयं निकलने लगेगा, यदि एक बार ये नाम मन में बस गया तो मुक्ति स्वयं मिल जाये गी। गरीबों की मदद करो ईश्वर के अलावा सभी गरीब है।

राम को मन में ऐसे बसालो जैसे बैंक में पैसा रखते हो। राम नाम ही काम आयेगा अंत में ये पैसा गाडियां कुछ भी तुम्हारा नहीं। मैं कुछ नहीं न ही मेरा कुछ है ये सब उसका है वो दे या न दे उसकी मर्जी। हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते है। ये सब उसकी इच्छा मात्र से चलरहा है।

बाबा जी ने अपने अंत समय तक अनेक हनुमान मंदिर बनवाये जहाँ गरिबो को आसरा मिला और भंडारा व ईश्वर भजन नियमित कर दिए। बाबा जी ने अपने शिष्यों से और स्वयं गरीबों की मदद के लिए अनेक कार्य किये स्कूल खुलावाये अस्पताल बनबाए और अनेक भक्तों का मार्ग दर्शन कर उन्हें सही रास्ता दिखाया। बाबा जी का साधारण जीवन ही लाखो लोगो के लिए प्रेरणा बन गया और गरीबों के लिए वो भगवान, जीवनदाता हो गए सभी भक्तो के लिए बाबा जी न गुरु है और न ही भगवान है व तो उनके परिवार के सभी कुछ है।

जय बाबा नीबकरौरी महाराज की

#राम राम#

भेष वस्त्र है सादा ऐसे जाने नहीं कोउ साधू जैसे।
ऐसी है प्रभु रहनि तुम्हारी वाणी कहो रहस्यमय भारी॥

प्रस्तुत परिचय श्री महाराजजी पर वर्णित पुस्तकों से लिया गया है। किसी भी त्रुटि के लिए अपना अनुज समझ क्षमा करें॥



This Beautiful Album is created with the help of

Balaram dass

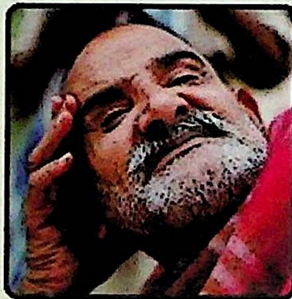
Mohan baba

Shashi sharma ji

Shri Devendra kumar sharma ji

Shri Rabbu da AND MANY BOOKS ABOUT MAHARAJJI, HIS GREAT DEVOTEES AND HIS WEBSITES. RAM RAM TO ALL WRITERS.

SHRI SHRI BABA NEEB KARORI MAHARAJ



"LOVE ALL. SERVE ALL. FEED ALL"

ALL PROCEED FROM THIS BOOK WILL BE USED FOR MAHARAJ JI SEVA, GAUSHALA AT BABA NEEB KARORI ASHRAM VRINDAVAN & WELFARE ACTIVITIES AT VRINDAVAN ASHRAM.

All Donations to Sri Thakur Hanuman ji Trust are exempted U/S 80G of Income Tax.

Devendra Kumar Sharma
Graphic Courtesy - Pankaj Pathak

SRI BABA NEEB KARORI ASHRAM
PARIKRAMA MARG, ATTALLA CHUNGI, VRINDAVAN (281004)

For more information contect us
Pankaj Kumar
+917754082728
Pankaj1982.1777@gmail.com

Printed at: United Block Printers, Lucknow, Mob.: 9120817686